

आज
की खबर
आज

ट्रंप के 100% टैरिफ का खौफ खत्म!

भारत ने ली राहत की सांस रुस पर प्रतिबंध लगाने वाला बिल अटका

एनएनआई

नई दिल्ली। रुस पर प्रतिबंध लगाने वाला एक बिल अब अमेरिकी सीनेट में बढ़ते विरोध का सामना करने लगा है। इसे पिछले महीने हाउस ने भारी बहुमत से मंजूरी दी थी। इस बिल के नवंबर में होने वाले मिड-टर्म चुनाव तक अटके रहने की संभावना है। चिंता यह है कि इससे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ लगाने की शक्तियां बढ़ सकती हैं। तेल की कीमतें बढ़ने के भी आधार हैं। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

यह बिल साउथ कैरोलिना के दिवंगत सीनेटर लिंडसे ग्रहम ने तैयार किया था। वह यूक्रेन के बड़े समर्थक थे। यह बिल ट्रंप को रूसी कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के टॉप पांच खरीदारों और रूस को ऊर्जा प्रतिबंधों से बचने में मदद करने वाले शीर्ष पांच देशों पर 100% टैरिफ लगाने का अधिकार देगा। चीन, भारत और तुर्की रूसी पेट्रोलियम उत्पादों के सबसे बड़े खरीदार हैं।

डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन दोनों ही सांसदों की बढ़ती चिंता रिटेल इंडस्ट्री और प्रभावशाली बिजनेस अलायंस 'यूएस चैंबर ऑफ कॉमर्स' के लिए एक जीत है। इन्होंने यह डर पैदा किया है कि इस उपाय से ट्रंप प्रशासन को बड़े पैमाने पर टैरिफ लगाने के लिए नया कानूनी आधार मिल जाएगा।



गुरुवार को विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा था कि रूस-यूक्रेन विवाद का समाधान इस आधार पर नहीं होगा कि देश रूसी तेल, खनिज या अन्य सामान खरीदते हैं या नहीं। वह जोर देकर बोले थे कि विवाद को केवल बातचीत, कूटनीति और बातचीत के जरिए ही सुलझाया जा सकता है।

इस सवाल का जवाब देते हुए कि क्या भारत रूसी तेल खरीदने वाले देशों पर अमेरिका की ओर से प्रतिबंध लगाने की स्थिति में रूसी तेल की खरीद कम करेगा, जयशंकर ने भारत की 1.4 अरब आबादी के लिए ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने की चुनौतियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर यूक्रेन और भारत

दोनों के नजरिए का सम्मान किया जाना चाहिए। जयशंकर ने कोव में यूक्रेनी विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा के साथ बैठक के बाद सवाल का जवाब देते हुए कहा था, 'मुझे लगता है कि यह भी महत्वपूर्ण है कि आप सभी 1.4 अरब लोगों के लिए ऊर्जा की व्यवस्था करने की चुनौतियों को समझें। खासकर ऐसे समय में जब दुनिया में ऊर्जा की स्थिति बहुत मुश्किल है। इसलिए, मैं कहूंगा कि यह एक ऐसा मामला है जहां स्पष्ट रूप से यूक्रेन का अपना नजरिया है। इसका हम सम्मान करते हैं। हमारा अपना नजरिया है। इसका मैं उम्मीद करता हूं कि दूसरे भी सम्मान करेंगे।

‘पीड़ित जनता किस पर भरोसा करे’

मायावती ने जीडीपी की 7.8 फीसदी की दर पर उठाए सवाल, महंगाई को जोड़ा

एनएनआई

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती ने देश में विकास दर के ताजा आंकड़ों पर सवाल खड़े किए हैं। दरअसल, चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 7.8 प्रतिशत सकल घरेलू उत्पाद की विकास दर यानी जीडीपी ग्रोथ रिकॉर्ड की गई है। सरकार की ओर से आंकड़े जाने के होने के बाद इस पर जबर्दस्त बहस छिड़ी हुई है। दुनिया भर की अर्थव्यवस्था में मंदी के संकेत हैं। विश्व पिछले समय में दो युद्ध जैसे हालात से जूझ रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध और ईरान और अमेरिका के बीच तनाव जैसे हालात के बीच जीडीपी में वृद्धि पर विपक्षी दलों ने सवाल खड़े कर दिए हैं। बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती ने भी जीडीपी की ताजा दर के दावों पर सवाल खड़ा किया है। उन्होंने कहा कि देश में खासकर अति-महंगाई, अपार गरीबी, बेरोजगारी आदि की मार से पीड़ित आम जनता अचंभित है कि वह किस पर भरोसा करे और किस पर न करे।

बसपा प्रमुख ने जीडीपी के ताजा आंकड़ों को लेकर चिंता जताते हुए कहा कि वैसे इस संबंध में सरकार के आसमान छूते दावे को प्रथम दृष्टया मान लिया जाए तो यह अच्छी बात होगी, लेकिन अगर यह जुगाड़ के आंकड़े हैं तो यह चिंता की बात जरूर है। इसीलिए, जनता में उम्मीद जगाने के लिए सरकार को विश्वसनीय ढंग से यह जरूर बताना चाहिए कि इस उच्च विकास दर का क्या लाभ देश की करोड़ों गरीब मेहनतकश जनता को



मिला है। आगे इसका क्या लाभ होगा। मायावती ने सोशल मीडिया एक्स पर किए गए लॉन्ग पोस्ट में कहा कि इतना ही नहीं, यह मुद्दा आम जनहित से जुड़ा है। इस कारण विकास के आंकड़े एवं दावे दोधारी तलवार की तरह हैं। इसीलिए, उन्हें जमीनी हकीकत से भी ज्यादातर आंका जाता है, मतलब विकास वहीं सही एवं उपयोगी है जो जनता को भाए। यानी, जनता के जीवन में समतामूलक परिवर्तन आए। लोग खुश और खुशहाल बनें। मायावती ने कहा कि जीडीपी ग्रोथ के आंकड़े एवं दावे आदि अपनी जगह हैं, लेकिन विकास की असल हकदार देश की करोड़ों मेहनतकश जनता को भी इसका लाभ मिलना चाहिए। उन्हें महसूस होना चाहिए कि देश के विकास में उन्होंने योगदान दिया है। यह देश एवं जनहित में जरूरी है। अगर ऐसा नहीं होता है तो देश के करीब 140 करोड़ लोग %धनवान सरकार की गरीब जनता% का बोझ लगातार ढोती रहेगी। देश का विकास तभी %अच्छे दिन% वाला होगा, जब यहां की करोड़ों बहुजन मेहनतकश जनता गरीबी, बेरोजगारी एवं भ्रष्टाचार आदि से मुक्त आत्म-सम्मान का सुखी जीवन जीने योग्य बनेगी।

कृष्ण जन्म से पहले दिल्ली में बारिश का गंभीर रेड अलर्ट

नई दिल्ली। देशभर में शुक्रवार को जन्माष्टमी का पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है। दिल्ली-एनसीआर में भी मंदिरों में खास तैयारियां हैं। शाम होते ही श्रद्धालु भगवान श्री कृष्ण के दर्शन और पूजा के लिए घरों से मंदिरों की तरफ निकलेंगे। इसी बीच मौसम ने करवट ले ली है। दिल्ली के कई इलाकों में दोपहर से हल्की बारिश शुरू हो गई है। मौसम विभाग (IMD) के मुताबिक, दोपहर 2-15 बजे से शाम 4-15 बजे तक कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश, गरज और बिजली चमकने की संभावना है। दिल्ली, गाजियाबाद और नोएडा के कुछ इलाकों में बारिश शुरू हो गई है। बिगड़ते मौसम को देखते हुए आईएमडी ने दिल्ली-NCR के लिए गंभीर रेड अलर्ट जारी किया है।

B.M. Computers

Build PC Brand PC Laptop

बीएम कंप्यूटर की ओर से

श्री कृष्ण जन्माष्टमा

की हार्दिक शुभकामनाएं

इस पावन अवसर पर भगवान श्री कृष्ण आपके जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली लाएं।

हमारे यहाँ सभी ब्रांड्स के लैपटॉप, डेस्कटॉप एवं कंप्यूटर उपलब्ध हैं।

hp | dell | lenovo | acer | asus | msi

Block No. 43, Shop No. G-106
Sanjay Place, Agra

आपका विश्वास, हमारी पहचान

9219630063